A **(Printed Pages 3)**

Roll. No. _____

AS-2228

M.A. (Fourth Semester) Examination, 2015

JYOTIRVIGYAN

तृतीय प्रश्न-पत्र

(प्रश्न तथा नाड़ी ज्योतिष)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 100***

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित लघुत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 4×5=20

   (क) षट्पञ्चाशिका ग्रन्थ का परिचय दीजिए।

   (ख) विवाह प्रश्न में विवाह काल का निर्णय कैसे किया जाता है?

   (ग) मूक प्रश्न का विचार कैसे होता है?

P.T.O.

(घ) सप्तर्षि नाड़ी का परिचय दीजिए।

(ड.) लालकिताब के अनुसार सूर्यादि ग्रहों के पक्के घर कौन से हैं?

प्रथम वर्ग

2. प्रश्नकुण्डली से शत्रु के गमन - आगमन एवं निवृत्ति का ज्ञान कैसे करते हैं? स्पष्ट कीजिए। 20

3. नष्ट वस्तु के लाभ का विचार प्रश्नकुण्डली के अनुसार सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

द्वितीय वर्ग

4. प्रवास में गये व्यक्ति के सन्दर्भ में विचार किस प्रकार किया जाता है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

5. षट्पञ्चाशिका के अनुसार धातु, मूल और जीव से सम्बन्धित प्रश्न का विचार कैसे होता है? 20

तृतीय वर्ग

6. नाड़ी ज्योतिष की परम्परा का विशद वर्णन कीजिए। 20

7. चन्द्रकलानाड़ी का संक्षिप्त परिचय देते हुए, इसकी नाड़ियों की संख्या तथा नाम लिखिए। 20

चतुर्थ वर्ग

8. लालकिताब के अनुसार द्वादश भाषों में नेक तथा बद ग्रहों का फलादेश बतलाइए। 20

9. लालकिताब के अनुसार अरिष्ट निवारण हेतु सूर्यादि ग्रहों के उपचार बतलाइए। 20